SISHYA SCHOOL ,HOSUR

Vijaya 16/11/16
CCE COORDINATOR
SCHOLASTIC

शिष्या स्कूल , होसूर

विषय:हिन्दी
कक्षा : नवीं (IX)

FORMATIVE ASSESSMENT-III 2016-17

अंक - 20
समय – 50 मिनट

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क) कीचड़ का रंग किन- किन लोग अपने जीवन में उपयोग करते है ? 2

ख) कवियों की धारणा को लेखक ने युक्ति शून्य क्यों कहा है ? 2

ग) खंभात के कीचड़ की क्या विशेषता है ? 1

घ) आप वासुदेव की पूजा करते है इसलिए वसुदेव को तो नहीं पूजते हीरे का भारी मूल्य देते हैं किंतु पत्थर को नहीं देते और मोती को कंठ में बाँधकर फिरते हैं किंतु उसकी मातुश्री को गले में नहीं बाँधते। आशय स्पष्ट कीजिए । 2

ड) कीचड़ के तिरस्कार का मूल कारण क्या है ? 2

च) पंक और पंकज शब्द में क्या अंतर है ? 1

छ) तटस्थ सोच और भावनात्मक सोच में क्या अंतर होता है -सिद्ध कीजिए 5

ज) सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है ? लेखक इस बात से क्यों चिंतित है कि कीचड़ के प्रति किसी की सहानुभूति नही है ? 5

VKhopade 16/11/16 Gayanthi 16/11/16

शिष्या स्कूल , होसूर

विषय:हिन्दी
कक्षा : नवीं (IX)

FORMATIVE ASSESSMENT-III 2016-17

अंक - 20
समय – 50 मिनट

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क) कीचड़ का रंग किन- किन लोग अपने जीवन में उपयोग करते है ? 2

ख) कवियों की धारणा को लेखक ने युक्ति शून्य क्यों कहा है ? 2

ग) खंभात के कीचड़ की क्या विशेषता है ? 1

घ) आप वासुदेव की पूजा करते है इसलिए वसुदेव को तो नहीं पूजते हीरे का भारी मूल्य देते हैं किंतु पत्थर को नहीं देते और मोती को कंठ में बाँधकर फिरते हैं किंतु उसकी मातुश्री को गले में नहीं बाँधते। आशय स्पष्ट कीजिए । 2

ड) कीचड़ के तिरस्कार का मूल कारण क्या है ? 2

च) पंक और पंकज शब्द में क्या अंतर है ? 1

छ) तटस्थ सोच और भावनात्मक सोच में क्या अंतर होता है -सिद्ध कीजिए 5

ज) सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है ? लेखक इस बात से क्यों चिंतित है कि कीचड़ के प्रति किसी की सहानुभूति नही है ? 5

VKhopade 16/11/16 Gayanthi 16/11/16

SISHYA SCHOOL ,HOSUR

शिष्या स्कूल , होसूर

विषय:हिन्दी — FORMATIVE ASSESSMENT-III 2016-17 — अंक - 20

कक्षा : नवीं (IX) — समय – 50 मिनट

KEY

क) कीचड़ का रंग श्रेष्ठ कलाकारों चित्रकारों मूर्तिकारों और छायाकारों को खुश करता है। वे भटटी में पकाए गए बर्तनों पर ----- छायाकार फोटों खीचतें है एकाध जगह पर कीचड़ जैसा---- वे इसे वार्मटोन अर्थात पक्के रंग की झलक कहकर खुश ---- इनके अतिरिक्त आम लोग अपने घरों के दीवार पुस्तको के गत्तों पर कीमती कपड़ों पर आदि

ख) वे बाहरी सौदर्य पर ध्यान देते हैं आंतरिक सौदर्य और उपयोगिता को बिल्कुल नहीं देखते कविजन कमल को बहुत सम्मान देते कीचड़ का तिरस्कार करते है ।वे केवल काम की सौदर्य की और प्रत्यक्ष महत्व की बात का आदर करते किंतु उन्हें उत्पन्न करने वाले कारणों का सम्मान नहीं करते।

ग) उसमे पहाड़ के पहाड़ समा जाते है ।

घ) कविजन कमल की प्रशंसा करते है किंतु पंक को महत्व नहीं देते ।वे अपने पक्ष में कहते हैं पंकज की प्रशंसा करना ठीक है।कृष्ण की पूजा करते है वसुदेव की पूजा नहीं करते ।हीरे को बहुत मूल्यवान मानते किंतु उसके जनक पत्थर या कोयले की प्रशंसा नहीं करते।मोती को गले में डालते है किंतु जननी सीपी को गले में धारण नहीं करते। उन्हें जो भाया सो भाया गया वे किसी की नहीं सुनते।

ड) कीचड़ दिखने में सुंदर नहीं होता।यह हमारे शरीर और कपड़ो को मैला कर देती है। मैल से सभी बचते है। इसलिए

च) पंक का अर्थ कीचड़ , पंकज का अर्थ कमल का फूल ।पंक से ही पंकज उत्पन्न होता है।पिता - पुत्र का संबंध है।

छ) तटस्थ सोच और भावनात्मक सोच में बहुत अतंर है। भावनात्मक सोच प्रवृत्ति पर निर्भर है।मन माने ढंग से व्यवहार करता है।जिसे गंदा कह दिया तो फिर वह गंदा नज़र आता है।जैसे कीचड़ को गंदा और मैला मान लिया गया तो सभी उसे घृणित ही मानते है। दूसरी ओर तटस्थ सोच में लाभ - हानि , पक्ष - विपक्ष ,उपयोगिता-अनुपयोगिता , शुभ - अशुभ का विचार करके निर्णय लिया जाता है।इस दृष्टि से हमें कीचड़ भी भली और सुंदर प्रतीत होती है।

दोनों का अपना महत्व है।मन की बात माननी पड़ती है। जो ऑखों को सुंदर लगे उसे सुंदर स्वीकार करना पड़ता है। दूसरी ओर कीचड़ जैसी कुरूचिपूर्ण चीज़े कितनी भी उपयोगी हो किंतु उनमें डूबने का मन नहीं करता यह भी सत्य है।

ज) सूखे हुए कीचड़ का सौदर्य नदी के किनारे पर दिखाई देता है।सूखने पर उन पर बगुले और अन्य छोटे , बड़े पक्षी विहार करने लगते हैं।कुछ अधिक सूखने पर उस पर गायें, बैल ,भैसें , पाडे , भेड़े , बकरियॉ भी चहलकदमी करने लगती है।पांड़े तो सींग भिड़ाकर भयंकर युदध करते है।तब कीचड़ उखड़ जाती है।

लेखक कीचड़ के महत्व को जानता है।उसी में अन्न , कमल आदि उत्पन्न होते हैं ।फिर भी कीचड़ से सहानुभूति न रखना उसे चितिंत कर देता ।

Gayathri 16/11/16
Khopade 16/11/16

SISHYA SCHOOL ,HOSUR

विषय:हिन्दी
कक्षा : नवीं (IX)

शिष्या स्कूल , होसूर
FORMATIVE ASSESSMENT-III 2016-17

अंक - 20
समय – 50 मिनट

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

प्रश्न कमांक	प्रश्न	कौशल	अंक 20	समय 50
क)	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : कीचड़ का रंग किन- किन लोग अपने जीवन में उपयोग करते है ?	App	2	4
ख)	कवियों की धारणा को लेखक ने युक्ति शून्य क्यों कहा है ?	An	2	4
ग)	खंभात के कीचड़ की क्या विशेषता है ?	K	1	2
घ)	आप वासुदेव की पूजा करते है इसलिए वसुदेव को तो नहीं पूजते हीरे का भारी मूल्य देते हैं किंतु पत्थर को नहीं देते और मोती को कंठ में बॉधकर फिरते हैं किंतु उसकी मातुश्री को गले में नहीं बॉधते। आशय स्पष्ट कीजिए ।	C	2	4
ड)	कीचड़ के तिरस्कार का मूल कारण क्या है ?	An	2	4
च)	पंक और पंकज शब्द में क्या अंतर है ?	K	1	2
छ)	तटस्थ सोच और भावनात्मक सोच में क्या अंतर होता है ? सिद्ध कीजिए	E	5	10
ज)	सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है ? लेखक इस बात से क्यों चिंतित है कि कीचड़ के प्रति किसी की सहानुभूति नही है ?	U	5	10
	Checking &underlining key words			10

8/11/16

SISHYA SCHOOL ,HOSUR

SISHYA SCHOOL ,HOSUR